भारत सरकार

कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 4268

(दिनांक 26.03.2025 को उत्तर के लिए)

एलबीएसएनएए के प्रशिक्षण सत्रों की प्रभावकारिता

4268. एडवोकेट चन्द्र शेखरः

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) शारीरिक अभ्यास, शैक्षणिक सत्रों, और क्षेत्र दौरों सहित लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी (एलबीएसएनएए) में कठोर प्रशिक्षण व्यवस्था के मद्देनजर, वास्तविक दुनिया की प्रशासनिक चुनौतियों का सामना करने के लिए अधिकारियों को तैयार करने में इस प्रशिक्षण की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए क्या तंत्र मौजूद है; और

(ख) अकादमी किस प्रकार प्रशिक्षुओं और हितधारकों से प्राप्त फीडबैक से अपने प्रशिक्षण कार्यक्रमों में निरंतर सुधार करती है?

उत्तर

कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री और प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री (डॉ. जितेन्द्र सिंह)

(क) और (ख): लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी (एलबीएसएनएए) अपने प्रशिक्षण अध्यापन और पाठ्यक्रम के विविध घटकों की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के लिए तंत्र स्थापित करने हेतु निरंतर प्रयासरत है। इस प्रकार, अकादमी सभी हितधारकों, जैसे कि जनप्रतिनिधियों, विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रतिभागियों, आदि के साथ लगातार परामर्श और चर्चा करके प्रशिक्षण सुधारों पर अत्यधिक जोर देती है, और उनकी प्रतिक्रिया भी मांगती है, जो इसके प्रशिक्षण पाठ्यक्रम की प्रभावशीलता को बढ़ाने में योगदान देगी।

इस प्रकार, लगभग 70% प्रशिक्षण अध्यापन को अनुभवात्मक दैनिक क्षेत्र अनुभव के माध्यम से प्रदान करने का प्रयास किया जाता है, जबकि अन्य 20% अधिगम को सहकर्मी शिक्षा के माध्यम से प्रदान करने

का प्रयास किया जाता है, तथा केवल शेष 10% अधिगम को कक्षा सत्रों के माध्यम से प्रदान करने का प्रयास किया जाता है।

अधिगम का अधिकांश हिस्सा, क्षेत्र स्तर के व्यावहारिक अभ्यासों और अनुभवों से आता है, जिसमें लोगों को कतिपय विशेष कार्यों को करते हुए देखना और फिर अर्जित सक्षमता के साथ उन्हीं कार्यों को करना शामिल है। व्यावहारिक अनुभव, समस्या समाधान और नागरिक सेवा वितरण की प्रक्रिया को सुधारने और अनुकूलित करने का प्रभावी अवसर प्रदान करता है। इस प्रकार, अधिकारी प्रशिक्षुओं को संरचित प्रतिबिंब की प्रक्रिया के माध्यम से अपने व्यक्तिगत और सामूहिक अनुभवों का विश्लेषण करने का अवसर मिलता है। वे सार्वजनिक सेवा वितरण में सुधार के लिए एक क्षेत्र (फील्ड) अधिकारी के रूप में काम करने की अनिवार्यताओं, अवरोधों और दायित्वों को समझते हैं।

क्षेत्र प्रशिक्षण में अप्रत्याशित समस्याओं और बाधाओं का सामना करने से वृत्तिक शांति और बुद्धिमत्ता की भावना का पता लगाने में मदद मिलती है, जो एक वृत्तिक सिविल सेवक होने के लिए आवश्यक है। हालाँकि प्रशिक्षुओं को क्षेत्र में चुनौतियों के पूरी तरह से अलग माहौल का सामना करना पड़ता है, लेकिन जब उन्हें महसूस होता है कि उनके कार्यकलाप समुदाय के लिए सीधे फायदेमंद हैं, और बेहतरी के लिए एक बदलाव एजेंट के रूप में उनकी भूमिका है, तब वे इसमें और ज्यादा संलिप्त हो जाते हैं।

प्रशिक्षण के एक प्रभावी उपकरण के रूप में, सहकर्मी अधिगम के इर्द-गिर्द बुना गया प्रशिक्षण अध्यापन, सहयोगी या सहकारी अधिगम में एक बड़ी भूमिका निभाता है। छोटी सामूहिक गतिविधियाँ, वाद-विवाद, चर्चाएँ, भूमिका निर्वहन आदि जैसे विभिन्न उपकरण विभिन्न अधिगम परिणामों को सुगम बनाते हैं। सहकर्मी अधिगम यह स्थापित करने में भी समर्थ बनाता है कि सहयोगात्मक प्रयास में एक ही समय में बेहतर अधिगम स्वीकार्यता और अवधारण को बढ़ावा देने की वृहत्तर दर है।

****